Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना i
प्रकाशकीय ii
प्राक्कथन iii
अनुक्रमणिका iv
प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत ..... v-vi
हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य एवं सादर ग्रंथ समर्पण ..... vii-viii
हस्तप्रत सूची १-४८६
परिशिष्ट : कृति परिवार अनुसार प्रत-पेटाकृति अनुक्रम संख्या ४८७-५९६
१. संस्कृत, प्राकृत व अपभ्रंश भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - १ ..... ४८७-५४८
२. देशी भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - २ ..... ५४९-५९६

इस सूचीपत्र में हस्तप्रत, कृति व विद्वान/व्यक्ति संबंधी जितनी भी सूचनाएँ समाविष्ट की गई हैं, उन सबका विस्तृत विवरण व टाइप सेटिंग संबंधी सूचनाएँ भाग ७ के पृष्ठ vi एवं परिशिष्ट परिचय संबंधी सूचनाएँ भाग ७ के पृष्ठ ४५४ पर हैं. कृपया वहाँ पर देख लें.

प्रस्तुत **खंड १५** में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - ५९२३६ से ६२९४०
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से २६२२ प्रतों की सूचनाओं का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल २६३५ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ३५३४ कृतियों का इस सूची में समावेश हुआ है.
- सूची में उपरोक्त कृतियोँ कुल ६९२४ बार आई हैं.

For Private and Personal Use Only